बी0सी0 निगम, भा0व0से0, प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा दि0—10.12.2015 से 14.12.2015 तक हजारीबाग, बोकारो एवं संथाल परगना प्रक्षेत्र के विभिन्न प्रमंडलों के भ्रमण एवं निरीक्षण से संबंधित टिप्पणीः—

दि0—10.12.2015—

हजारीबाग में मुख्य वन संरक्षक, हजारीबाग, सभी वन संरक्षकों, वन संरक्षक, कार्य नियोजना अंचल, वन प्रमंडल पदाधिकारी, प्रशिक्षण, नवपदस्थापित भारतीय वन सेवा के परीक्ष्यमान पदाधिकारियों से विभिन्न कार्यों की जानकारी प्राप्त की एवं उनके कार्यों की समीक्षा की गई ।

नवपदस्थापित भारतीय वन सेवा के परीक्ष्यमान पदाधिकारी, श्रीमती प्रेरणा दीक्षित के द्वारा प्रशिक्षण के क्रम में किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई । उनके द्वारा विभिन्न शॉ मिल की जांच की गई एवं उनमें से कुछ पर अवैध कारोबार पर रोक भी लगाई गई है । इस संबंध में उन्हें विभिन्न स्तर के कार्यों के संबंध में उचित निदेश दिए गए ।

दि0—11.12.2015

हजारीबाग (पूर्वी) वन प्रमंडल के बगोदर प्रक्षेत्र में टाटी झरिया वन के मौजा गोडिया में कैंपा योजना के अंतर्गत 2014—15 में 5.80 लाख रू0 की लागत से निर्मित वाच टावर का निरीक्षण किया । वाच टावर का निर्माण कारगर पाया गया ।

निर्देश—

इस संबंध में सभी वन पदाधिकारियों को यह निदेश दिया जाता है कि जब भी वे वाच टावर निर्माण का प्रस्ताव लाएं तो उसके पहले यह देख लें कि उसका स्थल चयन एवं उसके निर्माण का प्रयोजन क्या है ? वर्तमान परिवेश में हम जहां भी वाच टावर बनाएं, उसका एक उद्देश्य यह भी होना चाहिए कि हाथी आने पर गांव के ग्रामीण वाच टावर पर शरण भी ले सकें । इसलिए इस बात को ध्यान में रखते हुए ही वाच टावर के स्थल एवं डिजाईन का निर्धारण किया जाए।

(कार्रवाई— सभी वन प्रमंडल पदाधिकारी, झारखंड)

बोकारो रीजन—

गिरिडीह वन प्रमंडल—

गिरिडीह में गिरिडीह पूर्वी एवं गिरिडीह पश्चिमी, दो वन प्रमंडल हैं । गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमंडल का मुख्यालय गिरिडीह पूर्वी वन प्रमंडल के अंतर्गत है । माह जनवरी—फरवरी 2015 में गिरिडीह पूर्वी वन प्रमंडल के नावाडीह वन में एक ही रात में 5970 पोल साईज वृक्षों के अवैध पातन की सूचना प्राप्त हुई थी । इस संबंध में मुख्यालय से कई निदेश भी दिए गए थे । इस कांड की समीक्षा अधिकारियों के साथ की गई । बताया गया कि 5620 पोल साईज के वृक्षों को जब्त किया गया है एवं 2 स्थानों पर रखा गया है । यह निदेश

दिया गया कि ये लकड़ी सड़े नहीं, का ध्यान रखते हुए इसका निष्पादन नियमानुसार कराया जाए । वन संरक्षक, श्री भुटिया एवं नवपदस्थापित वन प्रमंडल पदाधिकारी, श्री आशीष ने यह बताया कि घटना ग्रामीणों एवं मुखिया की आपसी लड़ाई के कारण हुई थी । इसकी पूरी जांच की गई एवं अपराधियों पर केस किए गए हैं ।

गिरिडीह पूर्वी एवं गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमंडल में वृक्षारोपण, निर्माण एवं सीमा स्तंभ निर्माण के कार्यों की समीक्षा की गई । समीक्षा के अनुसार कार्य की प्रगति अच्छी पाई गई एवं वन प्रमंडल पदाधिकारियों के अनुसार, वनरोपण क्षेत्रों में जीवित पौधों की प्रतिशत भी काफी अच्छी है ।

वन प्रमंडल पदाधिकारी, धनबाद वन प्रमंडल को भी बुलाया गया था । उनके कार्यों की समीक्षा भी की गई एवं उन्हें उचित निदेश दिए गए ।

क्षेत्र भ्रमण के कम में निम्न स्थलों का निरीक्षण किया गया–

i. सोन बलियार ब्लॉक वनरोपण (गिरिडीह पूर्वी वन प्रमंडल)– 30 हेक्टेयर क्षेत्र में 5900 पौधों का वनरोपण किया गया है । पौधों की लंबाई 5 फीट एवं वनरोपण की स्थिति काफी अच्छी पाई गई । इसे एक उदाहरणस्वरूप अच्छे वनरोपण के रूप में माना जा सकता है ।
ii. दुखिया माहदेव से उसरी नदी पथ पर पथतट वनरोपण द्वारा 800 पौधे बांस गैबियन में लगाए गए पौधों की स्थिति अच्छी पाई गई ।
iii. बेंगा बांध स्थायी नर्सरी (गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमंडल)– यह लंबे पौधों की स्थायी नर्सरी है, जहां पर पौधे अच्छी स्थिति में पाए गए ।

निर्देश–

(क) यह निर्देश दिया गया कि इस गांव में वन सुरक्षा समिति को प्रबल बनाया जाए एवं उसे सशक्त कर उचित प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे कि वन प्रबंधन समिति के माध्यम से वनों की सुरक्षा हो सके ।

(ख) गिरिडीह पूर्वी एवं गिरिडीह पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी ने पथतट रोपण के लिए टैंकरों एवं ठेला गाड़ी में पानी की व्यवस्था कर प्रति 10 दिन पर पौधों में पानी पाटन के कार्य की व्यवस्था की है । यह एक अच्छा प्रयास है । अन्य वन प्रमंडलों द्वारा भी इस तरह के प्रयास किए जाने चाहिए । इन दोनों वन प्रमंडल पदाधिकारियों ने बताया कि उनके क्षेत्र में पथतट रोपण में पौधों की जीवित प्रतिशत शत–प्रतिशत है । ये कार्य अन्य वन प्रमंडलों द्वारा भी किए जाना चाहिए ।

(कार्रवाई–सभी वन प्रमंडल पदाधिकारी, झारखंड)

गिरिडीह से देवघर गए । वन प्रमंडल पदाधिकारी, देवघर एवं अन्य अधिकारियों से भेंट की एवं उनके कार्यों की समीक्षा की । देवघर से दुमका गए ।

दुमका में दुमका एवं जामताड़ा वन प्रमंडल द्वारा किए जा रहे कार्यों का पावर प्वाईंट प्रजेंटेशन देखा तथा उनकी कार्यों की समीक्षा की गई । साथ ही फासिल्स पार्क के संबंध में भी एक प्रजेंटेशन देखा एवं इस संबंध में विचार–विमर्श किया गया ।

दि0–12.12.2015–

दुमका प्रक्षेत्र

दुमका वन प्रमंडल अंतर्गत निम्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया–

i. कुरबा–आसनसोल पथतट वनरोपण– 2000 पौधे लगाए गए हैं । पौधों की स्थिति काफी अच्छी पाई गई है ।
ii. पंजन पहाड़ी में एक नेचर ट्रेल बनाया गया है । पहाड़ी पर छतरीनुमा शरण स्थल भी बनाया गया है । साथ ही, दो स्थानों पर वाच टावर भी बनाए गए हैं । यह क्षेत्र मसानजोर डैम के नजदीक है । इस स्थल को इको–टूरिज्म के रूप में विकसित किया जा सकता है, परंतु इस पर और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है । बेहतर होगा कि किसी स्वतंत्र व्यावसायिक एजेंसी से इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त किया जाए ।
iii. रामबाहेल से बलीराम पथतट वनरोपण – यहां 1000 पौधे पाए गए हैं । पौधों की स्थिति अच्छी पाई गई है ।
iv. रामबाहेल में एक सामुदायिक भवन का उद्‌घाटन किया, जिसका निर्माण पिछले वर्ष किया गया है । निर्माण की अवस्था अच्छी पाई गई । इसी भवन में लाह परियोजना के अंतर्गत लाभुकों को प्रशिक्षण किट भी बांटे ।

दुमका से गोड्डा वन प्रमंडल गए । गोड्डा वन प्रमंडल वन विश्रामागार में रात्रि में गोड्डा एवं साहेबगंज वन प्रमंडलों के संबंध में पावर प्वाईंट प्रजेंटेशन देखा गया तथा उनके कार्यों की समीक्षा की गई ।

गोड्डा में प्रस्तावित बायोडायवर्सिटी पार्क के स्थल का निरीक्षण किया तथा उनके प्रस्ताव की समीक्षा की गई ।

निर्देश–

इस संबंध में यह निदेश दिया गया कि गोड्डा बायोडायवर्सिटी पार्क के निर्माण हेतु किसी स्वतंत्र प्रोफेशनल एजेंसी से प्रस्ताव तैयार कराया जाए ।

(कार्रवाई–अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास एवं क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, संथाल परगना तथा अन्य सभी संबंधित अधिकारी)

दि0–13.12.2015–

गोड्डा के सुंदर पहाड़ी प्रक्षेत्र अंतर्गत बड़ा काला अजार पी0एफ0 में ब्लॉक वनरोपण का स्थलीय निरीक्षण किया गया । वनरोपण की स्थिति अच्छी पाई गई ।

सुंदर पहाड़ी साहेबगंज वन प्रमंडल अंतर्गत मंडरो प्रक्षेत्र में फासिल्स पार्क का निरीक्षण किया । यहां गुरमा, तारा, बासगो, बेड़ो बासगो ग्रामों में पहाड़ियों पर वृक्षों की एक काफी पुराने फासिल्स देखे गए । ग्रामीणों से भेंट भी की गई ।

निर्देश–

फासिल्स पार्क के निर्माण के विषय पर विस्तृत रूप से विचार–विमर्श किया गया । फोसिल पार्क म्यूजियम निर्माण एवं विशिष्ट व्यावसायिक कार्य है । Birbal Sahani Institute of Palaeobotany, Lucknow इस विषय का भारत सरकार का विशिष्ट संस्थान है । संबंधित अधिकारी इसका भ्रमण करे एवं वन के अधिकारियों से विमर्श कर इस स्थान पर fossil park/musium बनाने के संबंध में एक कंसेप्ट पेपर तैयार कर उपलब्ध कराए । यह कार्य 10 दिनों में किया जाए । वन प्रमंडल पदाधिकारी, साहेबगंज/वन संरक्षक, लखनऊ जाकर इस संस्थान एवं म्यूजियम का भ्रमण कर अधिकारियों से अविलंब विमर्श कर प्रस्ताव दें ।

(कार्रवाई–क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, संथाल परगना एवं संबंधित वन संरक्षक/वन प्रमंडल पदाधिकारी)

संध्या में वनांचल एक्सप्रेस से रांची के लिए प्रस्थान किया एवं दि0–14.12.2015 को प्रातः रांची पहुंच गए ।

16/12/15

(बी0सी0 निगम)
प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
झारखंड, रांची ।

ज्ञापांक– 11E-19(A)36/15—3916 रांची, दि0– 16.12.15

प्रतिलिपि : सभी वन अधिकारियों को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

16/12/15
प्रधान मुख्य वन संरक्षक

ज्ञापांक– 11E-19(A)36/15–3916 रांची, दि0– 16.12.15

प्रतिलिपि : प्रधान सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड, रांची को सूचनार्थ प्रेषित ।

16/12/15
प्रधान मुख्य वन संरक्षक

ज्ञापांक– 11E-19(A)36/15–3916 रांची, दि0– 16.12.15

प्रतिलिपि : इन्विस सेल, वन भवन को वेबसाईट में "PCCF Instruction" tab पर अपलोड करने हेतु प्रेषित ।

16/12/15
प्रधान मुख्य वन संरक्षक